नाम ..... अनुक्रमांक .....

वार्षिक परीक्षा – 2024

सामान्य हिन्दी

कक्षा–11

अ-XI–सामान्य हिन्दी

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

निर्देश–प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

नोट–(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख निर्दिष्ट है।

खण्ड (क)

1. (क) 'अष्टयाम' के रचयिंता है– 1

(a) गोकुलनाथ (b) बल्लभाचार्य

(c) नाभादास (d) तुलसीदास।

(ख) हिन्दी में नाटक रचना का प्रारम्भ किस युग की देन है– 1

(a) द्विवेदी युग (b) भारतेन्दु युग

(c) छायावादीयुग (d) प्रगतिवादी युग।

(ग) जयशंकर प्रसाद की रचना है– 1

(a) आनन्दमठ (b) तितली

(c) भारत दुर्दशा (d) संस्कृति के चार अध्याय।

(घ) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा सम्पादित पत्रिका है– 1

(a) इन्दु (b) सरस्वती (c) ब्राह्मण (d) हंस।

(ड़) 'सुख सागर' के लेखक है– 1

(a) लल्लूलाल (b) सदासुखलाल

(c) इंसा अल्लाखां (d) सदल मिश्र।

2. (क) वीरगाथा काल के कवि हैं– 1

(a) भूषण (b) बिहारीलाल (c) केशव (d) चन्दवरदाई।

(ख) आदिकाल की रचना है– 1

(a) अखरावट (b) खुमानरासो

(c) छत्रशाल-दशक (d) दीपशिखा।

(ग) विनय पत्रिका के रचयिता/रचनाकार हैं– 1

(a) तुलसीदास (b) अग्रदास (c) नामादास (d) चतुर्भुजदास।

(घ) रीतिकाल का अन्य नाम है– 1

(a) स्वर्णकाल (b) उद्भवकाल (c) शृंगारकाल (d) संक्रान्तिकाल।

(ड़) भारतेन्दु युग की रचना है– 1

(a) प्रेम माधुरी (b) उद्धव-शतक (c) रस कलश (d) अनामिका।

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये– $5 \times 2 = 10$

आचरण की सभ्यता का देश ही निराला है। उसमें न शारीरिक झगड़े हैं, न मानसिक, न आध्यात्मिक। न उसमें विद्रोह है, न जंग ही का नामोनिशान है और न वहाँ कोई ऊँचा है, न नीचा। न कोई वहाँ धनवान् है और न कोई वहाँ निर्धन। वहाँ प्रकृति का नाम नहीं, वहाँ तो प्रेम और एकता का अखंड राज्य रहता है। जिस समय आचरण की सभ्यता संसार में आती है, उस समय नीले आकाश से मनुष्य को वेद-ध्वनि सुनाई देती है, नर-नारी

P.T.O.

PDF.hindustanknowledge.com

पुष्पवत् खिलते जाते हैं, प्रभात हो जाता है।

प्रश्न—(क) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) आचरण की सभ्यता का देश निराला क्यों है ?

(घ) 'प्रकृति का नाम नहीं' आखिर यह कैसे हो सकता है ?

(ङ) आचरण की सभ्यता के संसार में आने का क्या परिणाम होता है ? अथवा

अन्धकार के विकट वैरी महाराज अंशुमाली अभी तक दिखाई भी नहीं दिए। तथापि उसके सारथि अरुण ही ने, उनके अवतीर्ण होने के पहले ही, थोड़े ही नहीं, समस्त तिमिर का समूल नाश कर दिया। बात यह है कि जो प्रतापी पुरुष अपने तेज से अपने शत्रुओं का पराभव करने की शक्ति रखते हैं, उनके अग्रगामी सेवक भी कम पराक्रमी नहीं होते। स्वामी को श्रम न देकर वे खुद ही उसके विपक्षियों का उच्छेद कर डालते हैं। इस तरह अरुण के द्वारा अखिल अन्धकार का तिरोभाव होते ही बेचारी रात पर आफत आ गई। इस दशा में वह कैसे ठहर सकती थी। निरुपाय होकर वह भाग चली।

प्रश्न—(क) पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) उपर्युक्त गद्यांश किस प्रसंग पर आधारित है ?

(घ) सूर्यदेव के उदित होने से पूर्व ही अन्धकार की क्या दशा हुई ?

(ङ) सूर्यदेव का सारथि किसे बताया गया है ? उसके द्वारा क्या किया गया है ?

4. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिये—

5 × 2 = 10

हरि जू की बाल-छबि कहौं बरनि।
सकल सुख की सींव, कोटि-मनोज-सोभा-हरनि॥
भुज भुजंग, सरोज नैननि, बदन बिधु जित लरनि।
रहे बिवरनि, सलिल, नभ, उपमा अपर दुरि डरनि॥
मंजु मेचक मृदुल तनु, अनुहरत भूषन भरनि।
मनहुँ सुभग सिंगार-सिसु-तरु, फर्‌यौ अद्‌भुत फरनि॥
चलत पद-प्रतिबिंब मनि आँगन घुटुरुवनि करनि।
जलज-संपुट-सुभग-छवि भरि लेति उर जनु धरनि॥
पुण्य फल अनुभवति सुतहिं बिलोकि कै नँद-घरनि।
सूर प्रभु की उर बसी किलकनि ललित लरखरनि॥

प्रश्न—(क) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(ग) शृंगार का कौन-सा शिशु-तरु अद्‌भुत फलों से लदा है ?

(घ) घुटनों के बल चलते श्रीकृष्ण की छवि कैसी लग रही है ?

(ङ) नन्द की पत्नी बालक कृष्ण को देखकर कैसा अनुभव कर रही हैं ? अथवा

कहत कत परदेसी की बात।
मंदिर अरध अवधि बदि हमसौं, हरि अहार चलि जात॥
ससि रिपु बरष, सूर रिपु, जुग बर, हर-रिपु कीन्हौ घात।
मघ पंचक लै गयौ साँवरौ, तातैं अति अकुलात॥
नखत, वेद, ग्रह, जोरि, अर्ध करि, सोइ बनत अब खात।
सूरदास बस भई बिरह के, कर मीजैं पछितात॥

प्रश्न (क) कविता का शीर्षक और कवि का नाम लिखिए।

(ख) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

PDF Hindustanknowledge.com

(ग) श्रीकृष्ण गोपियों से क्या कहकर गए थे और अब उन्हें कितना समय व्यतीत हो गया है ?

(घ) विरह की स्थिति में गोपियों पर कौन घात लगाए बैठा है ?

(ङ) श्रीकृष्ण अपने साथ क्या ले गए थे और इसका गोपियों पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

5. (क) निम्न में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुये उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिये– 3+2=5

(i) सरदार पूर्णसिंह (ii) डॉ. सम्पूर्णानन्द

(iii) आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुये उनकी कृतियों का उल्लेख कीजिये– 3+2=5

(i) कबीरदास (ii) सूरदास (iii) तुलसीदास

6. 'बलिदान' कहानी की विषय वस्तु पर प्रकाश डालिये। 5

अथवा

'आकाशदीप' कहानी के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिये। 5

7. अपने पठित नाटक की कथा वस्तु को संक्षेप में लिखिये।

अथवा

अपने पठित नाटक के पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिये।

खण्ड (ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिये– 2+5=7

भारतवर्षस्य उत्तरप्रदेशराज्ये प्रयागस्य विशिष्टं स्थानमस्ति। अत्र ब्रह्मणः प्रकृष्यागकरणात् अस्य नाम प्रयागः अभवत्। गङ्गा-यमुनयोः संगमे सितासितजले स्नात्वा जनाः विगतकल्मषा भवन्ति इति जनानां विश्वासः। अमायां पौर्णमास्यां संक्रान्तौ च स्नानार्थिनामत्र महान् सम्मर्दः भवति। प्रतिवर्ष मकरं गते सूर्ये माघमासे तु अनेकलक्षाः जनाः अत्र आयान्ति मासमेकमुषित्वा च संगमस्य पवित्रेण जलेन, विदुषां महात्मनामुपदेशामृतेन च आत्मानं पावयन्ति।

अथवा

अयं पर्वतराजः भारतवर्षस्य उत्तरसीम्नि स्थितः तत् प्रहरीव शत्रुभ्यः सततं रक्षति। हिमालयादेव समुद्रगम्य गङ्गा-सिन्धु-ब्रह्मपुत्राख्याः महानद्यः, शतद्रि-विपासा-यमुना-सरयू-गण्डकी-नारायणी-कौशिकी-प्रेभृतयः नद्यश्च समस्तामपि उत्तरभारतभुवं स्वीकीर्यैः तीर्थदकैः न केवल पुनन्ति, अपितु इमां शस्यश्यामलामपि कुर्वन्ति।

(ख) दिये गये श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिये– 2+5=7

यतो यतः समीहसे ततो नो अभयं कुरू।
शत्रः कुरू प्रजाभ्योऽभयं नः पशुभ्यः॥

अथवा

आचाराल्लभते ह्यायुराचाराल्लभते श्रियम्।
आचारात् कीर्तिमाप्नोति पुरुषः प्रेत्य चेह च॥

9. निम्नलिखित मुहावरों एवं लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखते हुये उनका वाक्य प्रयोग कीजिये– 1+1=2

(i) आसमान पर थूकना (ii) घाव पर नमक छिड़कना

(iii) आप काज महाकाज (iv) दीवार के भी कान होते हैं।

10. (क) दिये गये विकल्पों में से सन्धि-विच्छेद कर सही विकल्प चुनकर लिखिये– 1

(i) 'महीशः' का सन्धि-विच्छेद है–

(a) महा + ईशः (b) मही + शः

PDFHindustanknowledge.com